No. of Printed Pages : 5

MHD–010

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एच.डी.-010 : प्रेमचन्द की कहानियाँ

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) यह विश्वास कि एक मिनट में पूड़ियाँ और मसालेदार तरकारियाँ सामने आयेंगी, उनकी स्वादेन्द्रियों को

गुदगुदाने लगा। उन्होंने मन में तरह-तरह के मंसूबे बाँधे—पहले तरकारी से पूड़ियाँ खाऊँगी, फिर दही और शक्कर से कचौरियाँ रायते के साथ मजेदार मालूम होंगी। चाहे कोई बुरा माने चाहे भला मैं तो माँग-माँग कर खाऊँगी। यही न लोग कहेंगे कि इन्हें विचार नहीं। कहा करे, इतने दिन के बाद पूड़ियाँ मिल रही हैं, तो मुँह जूठा करके थोड़े ही उठ जाऊँगी।

(ख) फूलमती क्रोध-विह्वल होकर बोली—भाड़ में जाय तुम्हारा कानून। मैं ऐसे कानून को नहीं मानती। तुम्हारे दादा ऐसे कोई बड़े धन्नासेठ न थे। मैंने ही पेट और तन काटकर यह गृहस्थी जोड़ी है, नहीं आज बैठने को छाँह न मिलती। मेरे जीते-जी तुम मेरे रुपये नहीं छू सकते। मैंने तीन भाइयों के विवाह में दस-दस हजार

खर्च किये हैं। वही मैं कुमुद के विवाह में भी खर्च करूँगी।

(ग) धर्म की इस बुद्धिहीन दृढ़ता और देव-दुर्लभ त्याग पर मन बहुत झुँझलाया। अब दोनों शक्तियों में संग्राम होने लगा। धन ने उछल-उछल कर आक्रमण करने शुरू किये। एक से पाँच, पाँच से दस, दस से पंद्रह और पंद्रह से बीस हजार तक नौबत पहुँची, किन्तु धर्म अलौकिक वीरता के साथ इस बहुसंख्यक सेना के सम्मुख अकेला पर्वत की भाँति अटल, अविचलित खड़ा था।

(घ) जो बात एक वाक्य में कही जा सके, उसे चार पन्नों में लिखने की जरूरत ? मैं तो इसे हिमाकत कहता हूँ। यह तो समय की किफायत नहीं, बल्कि उसका

दुरुपयोग है कि व्यर्थ में किसी बात को ठूँस दिया जाय। हम चाहते हैं कि आदमी को जो कुछ कहना हो चटपट कह दे, अपनी राह ले। मगर नहीं, आपको चार पन्ने रँगने पड़ेंगे, चाहे जैसे लिखिए। और पन्ने भी पूरे फुलस्केप के आकार के। यह छात्रों पर अत्याचार नहीं तो और क्या है ? अनर्थ तो यह है कि कहा जाता है, संक्षेप में लिखो।

2. प्रेमचंद की कहानियों में चित्रित स्वाधीनता आंदोलन पर प्रकाश डालिए। 10

3. दलित जीवन के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए। 10

4. 'विध्वंस' कहानी की समीक्षा कीजिए। 10

5. 'गुल्ली-डण्डा' में अभिव्यक्त जीवन-मूल्य को स्पष्ट कीजिए। 10

6. 'जुलूस' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। 10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times5=10$

(क) मुलिया का चरित्र-चित्रण

(ख) 'दो बैलों की कथा' की भाषा

(ग) मिठ्ठनबाई : 'जुलूस' का स्त्री स्वर

(घ) प्रेमचंद की कहानी-कला

× × × × ×